



आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (सीसीईए)

मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 के नारासन्नापेटा- राणास्तालम खंड को छह लेन बनाकर विकसित करने को मंजूरी दी

Posted On: 12 SEP 2017 5:35PM by PIB Delhi

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 के नारासन्नापेटा-राणास्तालम खंड को छह लेन बनाकर विकसित करने को अपनी मंजूरी दे दी है।

भूमि अधिग्रहण, पुनर्स्थापना और निर्माण पूर्व अन्य गतिविधियों की लागत सहित इसकी अनुमानित लागत 1423 करोड़ रुपये है। सड़क को छह लेन बनाकर विकसित करने के लिए इसकी कुल लंबाई लगभग 54 किलोमीटर है।

इस कार्य को हाइब्रिड एन्युटी मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के पांचवें चरण के अधीन किया जाएगा।

इस परियोजना गलियारे की बेहतर संपर्क सुविधा से लाभान्वित होने वाले प्रमुख औद्योगिक विकास केंद्रों में एपीआईआईसी विशेष आर्थिक क्षेत्र, पायडीभीमावरम, भोगापुरम हवाई अड्डा, विजाग इस्पात संयंत्र, विशाखापत्तनम पोत, गंगावरम पोत, डीवीज लेबोरेटरी लिमिटेड एंड आईएनएस वर्षा शामिल हैं। सड़क के इस हिस्से पर वर्ष 2016-17 में अनुमानित यातायात लगभग 33,000 पीसीयू प्रतिदिन है। भविष्य में अनुमानित यातायात वृद्धि को ध्यान में रखते हुए मौजूदा चार लेन को बढ़ाकर 6 लेन बनाना भारत सरकार द्वारा उठाया गया काफी समयानुकूल कदम है।

दो बाईपास सड़कों के प्रावधान से ईचारला और राणास्तालम के शहरी क्षेत्रों में भीड़-भाड़ कम होगा। इसी प्रकार 29 फ्लाईओवर/वीयूपी/सीयूपी से परियोजना के आसपास यातायात की तेजी से आवाजाही हो सकेगी, जब इन क्षेत्रों में भीड़भाड़ भी कम होगा। तीन ट्रकों की पार्किंग सुविधा से माल ढुलाई यातायात में आसानी होगी। ट्रक चालकों को बाकी क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों का लाभ मिलेगा। सड़क के दोनों ओर, परियोजना हिस्से के 37 किलोमीटर में सर्विस रोड, लगभग 43 किलोमीटर में स्लिप रोड और लगभग 42 स्थानों पर बस बे के प्रावधानों से लंबी दूरी वाले वाणिज्य के यातायात की सुरक्षित, आरामदायक और बेहतर आवाजाही सुनिश्चित होने के साथ-साथ आवास स्थलों/क्षेत्रों में स्थानीय यातायात सुविधा भी बेहतर होगी।

परियोजना के क्रियाकलाप से स्थानीय श्रमिकों के लिए रोजगार की संभावना भी बढ़ेगी। अनुमान है कि राजमार्ग की 1 किलोमीटर लंबाई के निर्माण के लिए कुल श्रम दिवसों की संख्या 4076 होगी। इसी प्रकार, इस मार्ग खंड के निर्माण की अवधि के दौरान स्थानीय तौर पर लगभग 2,21,000 श्रम दिवसों की रोजगार संभावना है। इसके अतिरिक्त, यातायात की उन्नत स्थितियों में कई प्रकार के स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पृष्ठभूमि:

फिलहाल, मौजूदा सड़क दो लेनों की है और नारासन्नापेटा, मडापाम, सिंगीपूरमा, पेडापडु, सीपनायडूपेटा, नवभारत नगर, चिलाकापालम, बूडुमुरु, बोनतूपेटा और लावेरु के शहरी आवास स्थलों से गुजरती है। स्वर्णिम चतुर्भुज का एक हिस्सा, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-16 (पुराना एनएच-5) तमिलनाडु राज्य को चेन्नई और पश्चिम बंगाल में कोलकाता से जोड़ता है और कटक, भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा से होकर गुजरता है। ईचारला और राणास्तालम में बाईपास और 29 फ्लाईओवर/वीयूपी/सीयूपी सहित इस मार्ग को 6 लेन बनाने से यात्रा में लगने वाले खर्च और वाहन संचालन लागत में कमी काफी आने के साथ-साथ आंध्र प्रदेश राज्य में आधारभूत सुविधाओं में तेजी से सुधार होगा। यह सड़क कोलकाता-कटक-भुवनेश्वर- विशाखापट्टनम-विजयवाड़ा-चेन्नई नामक अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले यातायात गलियारे का हिस्सा है।

अतुल तिवारी/शाहबाज हसीबी/बाल्मीकि महतो/सुधीर सिंह

(Release ID: 1502677) Visitor Counter : 9

